# नवाचार और विधिक जागरूकता से ही संभव है आत्मनिर्भर भारत का स्वप्न

लखनऊ | 30 जनवरी, 2026

लखनऊ के प्रतिष्ठित BSNVPG कॉलेज के भौतिक विज्ञान विभाग द्वारा 'बौद्धिक संपदा अधिकार ' (IPR) विषय पर आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला ने नवाचार और विधिक संरक्षण के नए आयाम स्थापित किए। कार्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन मुख्य अतिथि , अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं प्रसिद्ध उद्यमी श्री संदीप बंसल द्वारा किया गया। अपने संबोधन में श्री बंसल ने 'आइडिया' को वर्तमान युग की सबसे मूल्यवान पूंजी बताते हुए कहा कि चाहे व्यापारी हो या छात्र , उसे अपने मौलिक विचारों को ट्रेडमार्क और पेटेंट के जरिए सुरक्षित करना अनिवार्य है। उन्होंने लखनऊ की चिकनकारी और दशहरी आम का उदाहरण देते हुए युवाओं को अपने नवाचारों को वैश्विक पहचान दिलाने के लिए प्रेरित किया तथा 'मंगलमान' अभियान के सामाजिक मॉडल्स को आधुनिक नवाचार का उत्कृष्ट उदाहरण बताया।

इस अवसर पर कार्यक्रम संयोजक एवं भौतिक विज्ञान विभागाध्यक्ष प्रो. राम कुमार तिवारी ने सभी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए विश्वास जताया कि यह आयोजन कॉलेज में नवाचार की एक नई संस्कृति का सूत्रपात करेगा। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर संजय मिश्रा ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि शैक्षणिक संस्थानों का दायित्व केवल डिग्री देना नहीं, बल्कि छात्रों में उद्यमिता और मौलिक सोच विकसित करना है। उन्होंने जोर देकर कहा कि IPR की समझ हमारे छात्रों को वैश्विक प्रतिस्पर्धा में मजबूती से खड़ा करेगी और यह कार्यशाला कॉलेज को शोध एवं अनुसंधान के केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

विधिक सत्र की कमान संभालते हुए लखनऊ विश्वविद्यालय संबद्ध महाविद्यालय शिक्षक संघ (LUACTA) के अध्यक्ष और विधि विशेषज्ञ प्रो. मनोज पांडे ने ऐतिहासिक 'हल्दी पेटेंट' और 'नोवार्टिस केस' के माध्यम से दस्तावेजीकरण की शक्ति को रेखांकित किया। उन्होंने सचेत किया कि उचित विधिक ज्ञान के अभाव में हम अपनी बहुमूल्य

विरासत खो सकते हैं , साथ ही उन्होंने अकादमिक क्षेत्र में 'प्लेजरिज्म' (बौद्धिक चोरी) के खतरों के प्रति भी शोधकर्ताओं को आगाह किया। कार्यशाला के तकनीकी सत्रों में प्रो. अभिषेक कुमार तिवारी ने पेटेंट फाइलिंग की जटिलताओं और प्रो. मनेंद्र तिवारी ने शैक्षणिक संस्थानों में IPR सेल की अनिवार्यता पर विस्तार से प्रकाश डाला।

कार्यशाला के अंतिम चरणों में व्यावहारिक पक्षों पर चर्चा करते हुए श्री राजेश पाण्डेय ने कॉपीराइट और डिजाइन एक्ट के महत्व को समझाया , जबकि सी.ए. अजय कुमार मिश्रा ने स्टार्टअप्स के लिए बौद्धिक संपदा के व्यावसायिक मूल्यांकन और उससे मिलने वाले कर लाभों का महत्वपूर्ण डेटा प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के समापन सत्र में बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय ( BBAU) के प्रो. ओ.पी.बी. शुक्ला ने अपने विचार साझा किए। इस भव्य आयोजन में प्राचार्य, वरिष्ठ शिक्षकों सहित 150 से अधिक प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया।